मेवाड़ विश्वविद्यालय ने मनाई महावीर जयन्ती एवं भीमराव अम्बेडकर जयन्ती

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़/ गंगरार(अमित कुमार चेचानी)। बाबा भीमराव आम्बेडकर की राष्ट्र में समता मूलक समाज की स्थापना एवं वंचितों को सामाजिक राजनैतिक और आर्थिक समानता दिलाने की सोच का आज तक पूरी तरह से अनुपालन नहीं हो पाया है यही कारण है कि आज भी हमें संघर्ष करना पड़ रहा है। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) के. एस. राणा ने विश्वविद्यालय में महापुरूषों की जयन्ती पर आयोजित संगोष्ठी में कही। प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने कहा कि हमें महावीर के सिद्धान्तों पर चलते हुए मन, वाणी एवं कर्म से हिंसा का भाव त्याग कर सामाजिक, समरसता का भाव स्वयं में लाना चाहिए। कुलसचिव बी.एल. स्वर्णकार ने कहा कि आज डॉ. भीमराव आम्बेडकर एवं महावीर जी के विचारों की समाज को आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रबन्धन विभाग के विभागाध्यक्ष राजेश भट्ट ने किया। इस अवसर पर संयुक्त कुलसचिव लक्ष्मण सिंह रावत सहित विवविद्यालय के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय ने मनाई महावीर जयन्ती एवं भीमराव अम्बेडकर जयन्ती

चमकता राजस्थान

चित्तौड़गढ़/ गंगरार (अमित कुमार चेचानी)। बाबा भीमराव आम्बेडकर की राष्ट्र में समता मूलक समाज की स्थापना एवं वंचितों को सामाजिक राजनैतिक और आर्थिक समानता दिलाने की सोच का आज तक पूरी तरह से अनुपालन नहीं हो पाया है यही कारण है कि आज भी हमें संघर्ष करना पड़ रहा है। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) के. एस. राणा ने विश्वविद्यालय में महापुरूषों की जयन्ती पर आयोजित संगोष्ठी में कही। प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने कहा कि हमें महावीर के सिद्धान्तों पर चलते हुए मन, वाणी एवं कर्म से हिंसा का भाव त्याग कर सामाजिक, समरसता का भाव स्वयं में लाना चाहिए। कुलसचिव बी.एल. स्वर्णकार ने कहा कि आज डॉ. भीमराव आम्बेडकर एवं महावीर जी के विचारों की समाज को आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रबन्धन विभाग के विभागाध्यक्ष राजेश भट्ट ने किया। इस अवसर पर संयुक्त कुलसचिव लक्ष्मण सिंह रावत सहित विवविद्यालय के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय ने मनाई महावीर जयन्ती एवं भीमराव अम्बेडकर जयन्ती

जयपुर मिड-डे टाईम्स

चित्तौड़गढ़/ गंगरार, 14 अप्रैल(अमित कुमार चेचानी)। बाबा भीमराव आम्बेडकर की राष्ट्र में समता मूलक समाज की स्थापना एवं वंचितों को सामाजिक राजनैतिक और आर्थिक समानता दिलाने की सोच का आज तक पूरी तरह से अनुपालन नहीं हो पाया है यही कारण है कि आज भी हमें संघर्ष करना पड़ रहा है। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) के. एस. राणा ने विश्वविद्यालय में महापुरूषों की जयन्ती पर आयोजित संगोष्ठी में कही। प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने कहा कि हमें महावीर के सिद्धान्तों पर चलते हुए मन, वाणी एवं कर्म से हिंसा का भाव त्याग कर सामाजिक, समरसता का भाव स्वयं में लाना चाहिए। कुलसचिव बी.एल. स्वर्णकार ने कहा कि आज डॉ. भीमराव आम्बेडकर एवं महावीर जी के विचारों की समाज को आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रबन्धन विभाग के विभागाध्यक्ष राजेश भट्ट ने किया। इस अवसर पर संयुक्त कुलसचिव लक्ष्मण सिंह रावत सहित विवविद्यालय के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महावीर स्वामी व अम्बेडकर जयंती पर विचार गोष्ठी

गंगरार, 14 अप्रेल (जसं.)। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की राष्ट्र में समता मूलक समाज की स्थापना एवं वंचितों को सामाजिक राजनेतिक और आर्थिक समानता दिलाने की सोच की आज तक पूरी तरह से अनुपालन नहीं हो पा रही है, यही कारण है कि आज भी हमें संघर्ष करना पड़ रहा है।

यह बात मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. केएस राणा ने विवविद्यालय में महावीर जयंती एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष में आयोजित संगोष्ठी में कही। गोष्ठी में कुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने कहा कि हमें महावीर के सिद्धान्तों पर चलते हुए मन, वाणी एवं कर्म से हिंसा का भाव त्याग कर सामाजिक, समरसता का भाव स्वयं में लाना चाहिए। कुलसचिव बीएल स्वर्णकार ने कहा कि आज डॉ. भीमराव अम्बेडकर एवं भगवान महावीर के विचारों की समाज को आवश्यकता है। गोष्ठी में विभागाध्यक्ष राजेश भट्ट, संयुक्त कुलसचिव लक्ष्मण सिंह रावत सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।